03 / 12 / 79 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

विश्व-कल्याणकारी बन

विश्व का मालिक होने का अनुभव

➢➢ मैं आत्मा बाप समान विश्व कल्याणकारी हूँ

➳ _ ➳ मैं समर्थ आत्मा अंतर्मुखी होकर

→ बाह्यमुखता के व्यर्थ को छोड़

→ संकल्पों के विस्तार को समेट कर

- सार रूप में स्थित हो जाती हूँ

→ साइलेंस वर्ल्ड में बाबा की किरणों के नीचे बैठ

- साइलेंस की शक्ति जमा कर रही हूँ

→ मैं आत्मा बाप समान बन रही हूँ

→ विश्व कल्याण की भावना से भर रही हूँ

- मेरे संकल्प, बोल वा नयनों में
- सदा ही कल्याण की भावना व शुभ कामना है
- हर कर्म में विश्व कल्याण की भावना समा रही है

➢➢ मैं विश्व-कल्याणकारी बन विश्व का मालिक बन रही हूँ

➳ _ ➳ मैं मास्टर ज्ञान सूर्य आत्मा हूँ

→ मेरे सामने विश्व की सर्व आत्मायें

- सदा इमर्ज रूप में रहती हैं

→ सर्व आत्मायें मेरे मस्तक में

- सदा समीप और सम्मुख हैं

→ चाहे कितनी भी दूर रहने वाली आत्मा हो

- सेकेण्ड में उस आत्मा को
- अपनी श्रेष्ठ भावना,
- श्रेष्ठ कामना के आधार से
- शान्ति व शक्ति की रेज़ दे रही हूँ

→ सारे विश्व को कल्याण की रोशनी दे रही हूँ

➳ _ ➳ मैं मास्टर रचयिता

→ साइलेन्स की शक्ति से

- दूर रहने वाली आत्मा की आवाज़ सुन रही हूँ

→ हर आत्मा के मन की आवाज़

→ इतना समीप सुनाई दे रहा है

- जैसे कोई सम्मुख बोल रहा है

→ आत्माओं के मन में अशान्ति,

→ दु:ख की स्थिति के चित्र

→ ऐसे स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं

- जैसे टी.वी. द्वारा दृश्य वा
- व्यक्ति स्पष्ट दिखते हैं

→ बाप से कनेक्शन जोड़कर

→ श्रेष्ठ भावना और कामना का स्वीच ऑन कर

- दूर की आत्माओं को भी
- समीप अनुभव कर रही हूँ

➳ _ ➳ साइलेन्स की शक्ति रूहानी रंगत दिखा रही है

→ दूर की आत्मायें सामने आकर कह रही

- आप ने मुझे सही रास्ता दिखाया
- आपने मुझे ठिकाने का इशारा दिया
- आपने मुझे बुलाया और मैं पहुँच गया

→ मेरा दिव्य स्वरूप

- उनके मस्तक रूपी टी.वी. में
- स्पष्ट दिखाई दे रहा है
- सम्मुख मिलन का स्पष्ट अनुभव कर रहे हैं

➳ _ ➳ मैं निर्बन्धन आत्मा

→ सर्व बन्धनों से मुक्त, स्वतन्त्र होकर

→ जब चाहूँ, जहाँ चाहूँ, जो शक्ति चाहूँ

→ उससे कार्य कराकर

- अनेकों को जीवन मुक्त बना रही हूँ

→ बेहद की विश्व-कल्याणकारी बन

- विश्व का मालिक बन रही हूँ